Printed by : Kamna Enterprises #9455049862

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

बी.ए./बी.एस-सी./एम.ए./एम.एस-सी. एवं समस्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम

Estd. 2011

कृष्णा पी.जी. कालेज

ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह, मऊ

सम्बद्ध- महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय- आजमगढ़

मो0- 9473778218, 9450962377

बी.ए.	बी.एस-सी.
एम.ए.	एम.एस-सी.
बी.एड्	डी.एल.एड् (बी.टी.सी.)

निर्देशिका एवं प्रवेश आवेदन-पत्र

फार्म नं0-

स्थापना वर्ष - 02 अप्रैल 2011

अतिथि, प्रबन्धक एवं प्रशासनिक भवन

तेजबहादुर यादव

संस्थापक

कृष्णा पाञ्चजन्य ट्रस्ट

ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह, मऊ

द्वारा संचालित

1. कृष्णा पी.जी. कालेज, ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह- मऊ
2. शिक्षा संकाय (बी.एड्) प्रशिक्षण संस्थान, ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह-मऊ
3. डी.एल.एड् (बी.टी.सी.) प्रशिक्षण संस्थान, ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह-मऊ
4. श्री कृष्णा इण्टर कालेज, कृष्णा नगर, ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह-मऊ
5. कृष्णा पब्लिक स्कूल, ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह-मऊ
6. कृष्णा पूर्व माध्यमिक विद्यालय, ताजपुर पतिला, पिपरीडीह-मऊ
7. कृष्णा समाज कल्याण प्राथमिक विद्यालय, ताजपुर पतिला, पिपरीडीह-मऊ

महाविद्यालय प्रार्थना

त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्व मम देव-देव

1.

दया कर दान विद्या का, हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना।।
हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।
अन्धेरे दिल में आकर के परम ज्योति जला देना।।
बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिल-जुलकर प्रभु रहना सिखा देना।।
हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा, व सेवक जन बना देना।।
वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जाँ फिदा करना, प्रभु हमको सिखा देना।।

2.

वर्षा दाता सुख वर्षा, आँगन-आँगन सुख वर्षा।
चुन-चुन काँटे नफरत के, प्यार अमन के फूल खिला।।
तन से कोई है दुखी, मन से कोई है दुखी।
हे प्रभु दया करो, कुल जहाँ में हो सुखी।।
सबके दिलों की तुम हो दवा, आँगन-आँगन सुख वर्षा।
वर्षा दाता सुख वर्षा, आँगन-आँगन सुख वर्षा।
हमको विद्या दान दो, ज्ञान का वरदान दो।
नेक राह पर चलें, हर बुराई से डरें।
अपनी शरण में हमको बिठा, आँगन-आँगन सुख वर्षा।
वर्षा दाता सुख वर्षा, आँगन-आँगन सुख वर्षा।
हे प्रभु हर घड़ी, जुबाँ पर तेरा नाम हो।
तेरे चरणों में रहूँ, बस यही अरमान हो।।
सबके गमों को तुम ही मिटा, आँगन-आँगन सुख वर्षा।
वर्षा दाता सुख वर्षा, आँगन-आँगन सुख वर्षा।

कृष्णा पी0जी0 कालेज

ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह-मऊ

मो0- 9473778218, 9450962377

सम्बद्ध- महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय- आजमगढ़

या कुन्देन्दु तुषार हार धवला या शुभ्रवस्त्रावृता,
या वीणा वरदण्डमण्डितकरा या श्वेत पद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता,
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेष जाड्यापहा।
त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्व मम देव-देव
कर्पूरगौरं करूणावतारं, संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्।
सदा बसन्तं हृदयारविन्दे, भवंभवानी सहितं नमामि।

संस्थापक / व्यवस्थापक

तेजबहादुर यादव

कृष्णा पी0जी0 कालेज

ताजपुर (उस्मानपुर), पिपरीडीह-मऊ

मो0-9450962377

प्रबन्धक जी का संदेश

प्रिय प्रवेशार्थियों,

कृष्णा पी0जी0 कालेज, ताजपुर (उस्मानपुर) पिपरीडीह-मऊ, महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ से सम्बद्ध है। महाविद्यालय की स्थापना के कई प्रेरणा स्रोत हैं। माता-पिता के आशीर्वाद एवं क्षेत्र के गणमान्य महान विभूतियों के विशेष सहयोग हैं। 2 अप्रैल 2011 को महाविद्यालय की नींव रखी गयी, क्योंकि शिक्षा और ज्ञान प्राप्ति से ही मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास होता है। जिससे मनुष्य का जीवन सुव्यवस्थित होता है। शिक्षा प्राप्ति से ही व्यक्ति विभिन्न कर्त्तव्यों का पालन करने में सफल होता है। इससे उसके भीतर आत्म संयम, आत्म-चिन्तन, आत्म-विश्वास, आत्म विश्लेषण विवेक-भावना, न्याय प्रवृत्ति और आध्यात्मिक वृत्ति का उदय होता है। इसी उद्देश्य से अति पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राएं इण्टर कालेज से उत्तीर्ण होकर बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे थे, परन्तु महाविद्यालय की स्थापना से इलाके में राहत और आशा का संचार हुआ भगवान श्रीकृष्ण जी के नाम पर मैं इस महाविद्यालय का नाम कृष्णा रखा यदि मन में सच्चा विश्वास हो और नियत साफ हो तो छोटा से छोटा व्यक्ति बड़ा से बड़ा कार्य कर सकता है। ऐसा हमने अपने जीवन में अनुभव किया। शिक्षा व्यक्ति को संस्कार बनाने की एक सतत् एवं गतिशील प्रक्रिया है जो वर्तमान एवं परम्परागत सामाजिक मूल्यों को अगली पीढ़ी में हस्तान्तरित करती है। इसी नियम का पालन करते हुए निर्माण से लेकर शिक्षण कार्य में अनेक योग्य, अनुभवी, कर्मठ, ईमानदार और भागीरथ प्रयत्न वाले लोग इस संस्थान से जुड़ते गये। अनुभवी लगनशील विद्वान एवं समर्पित तत्पर ऊर्जावान कर्मचारी इस पी0 जी0 कालेज के उत्तरोत्तर विकास में प्रयत्नशील हैं, इसके निर्माण संदर्भ में इलाके के तमाम शिक्षा प्रेमी मित्रों, सहयोगियों, अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। भविष्य में सुरक्षा और शिक्षारूपी ज्ञान की दीप से दीप जलाने की सतत् परम्परा के प्रति मैं आश्वस्त हूँ। मैं उन तमाम विरोधियों के प्रति भी कृतज्ञ हूँ जिनके कारण मुझे हर बाधा से लड़ने की बल-सम्बल और संकल्प मिला। अन्त में मैं अपने पूर्वजों के प्रति हृदय की अन्तिम गहराई से आदर करते हुए भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना करता हूँ कि कृष्णा पी0जी0 कालेज ताजपुर (उस्मानपुर) मऊ को प्रगति पथ पर अग्रसर रखें। हर प्रवेशार्थी छात्र/छात्राओं को मेरी शुभकामना और इसी आशा और विश्वास के साथ आशीष...

तेजबहादुर यादव
प्रबन्धक

प्राचार्य के कलम से...

कृष्णा पी0जी0 कालेज में प्रवेश हेतु आपने आवेदन किया है। मेरी शुभकामना है कि प्रवेश में आपको सफलता प्राप्त हो इस महाविद्यालय का अपना एक गौरवपूर्ण इतिहास रहा है और शिक्षा जगत में इसे सम्मानपूर्वक देखा जाता है। इस सम्मान के केन्द्र में आप विद्यमान हैं। कोई भी उच्च शिक्षा का केन्द्र अपने भव्य भवनों से नहीं जाना जाता है, अपितु वहाँ निकलने वाले प्रतिभावान छात्र/छात्राओं की समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान एवं वहाँ के प्राध्यापकों कर्मचारियों की कार्य के प्रति समर्पण भावना एवं योग्यता से निर्मित होती है। यह महाविद्यालय उन्मुक्त वातावरण में आपके सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्प है। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला संकाय, विज्ञान संकाय, शिक्षा संकाय (बी.एड.), डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) कक्षायें सुचारू रूप से संचालित होती हैं तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय, विज्ञान संकाय में कक्षाएं संचालित होती हैं। यहाँ राष्ट्रीय सेवायोजना (N.S.S.) रोवर्स/रेंजर्स, खेल-कूद आदि उत्कृष्ण व्यवस्था है। संस्था प्रधान होने के नाते मैं आपको ज्ञानार्जन हेतु अपने महाविद्यालय में आमंत्रित व आश्वस्त करता हूँ कि आप गर्व के साथ कहेंगे कि मैं कृष्णा पी0 जी0 कालेज, ताजपुर (उस्मानपुर) पिपरीडीह-मऊ का विद्यार्थी रहा हूँ। आप ऐसा आचरण करें जिससे अपने क्षेत्रा विशेष में उपलब्धि प्राप्त कर सकें एवं महाविद्यालय परिवार आप पर गर्व कर सके।

शुभकामनाओं के साथ

डॉ0 रामअवध यादव

प्राचार्य

महाविद्यालय की स्थिति

कृष्णा पी0 जी0 कालेज, ताजपुर (उस्मानपुर) पिपरीडीह-मऊ पूर्वी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़मण्डल के जनपद- मऊ में माँ वनदेवी के पावन आँचल व बाबा उस्मान के पवित्र स्थली पर निर्मित है। जिसकी भौगोलिक रूप से एक विशिष्ट पहचान है। इस पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा की कमी को पूरा करने के लिए एक दृढ़, निश्चयी आदर्श शिक्षक एवं स्पष्टवादी समाजसेवा ने इस पी0 जी0 कालेज की स्थापना भगवान श्रीकृष्ण के नाम पर की गयी है। इस पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा की कमी को पूरा करने तथा विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना, सामाजिक दायित्वों के प्रति समर्पण की भावना पैदा करना ही इस संस्था का मूल उद्देश्य है। यह महाविद्यालय मऊ जनपद के तहसील सदर, वि0ख0 परदहाँ में मऊ जिला मुख्यालय से 11 किमी0 मऊ- चिरैयाकोट मुख्य राजमार्ग पर पिपरीडीह रेलवे स्टेशन से 500 मीटर पूरब दिशा में माँ वनदेवी रोड पर स्थित है।

महाविद्यालय का उद्देश्य

यह शिक्षण संस्थान उच्च शिक्षा में पिपरीडीह क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने के उद्देश्य से इस पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा की कमी को पूरा करने के लिए तथा विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना, सामाजिक दायित्वों के प्रति समर्पण की भावना जागृत करना ही मूल उद्देश्य है।

स्नातक स्तर पर कला संकाय में निम्न विषयों की सम्बद्धता प्राप्त है-

1. हिन्दी 2. संस्कृत 3. अंग्रेजी 4. भूगोल 5. शिक्षाशास्त्र 6. समाजशास्त्र
7. मध्यकालीन इतिहास 8. गृहविज्ञान 9. राजनीतिशास्त्र 10. अर्थशास्त्र 11. मनोविज्ञान 12. गणित

स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय-

1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. गणित 4. वनस्पति विज्ञान 5. जन्तु विज्ञान 6. गृहविज्ञान 7. मनोविज्ञान 8. भूगोल

स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय-

1. हिन्दी 2. संस्कृत 3. भूगोल 4. शिक्षाशास्त्र 5. समाजसास्त्र 6. गृहविज्ञान

स्नातकोत्तर स्तर पर विज्ञान संकाय-

1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. गणित 4. वनस्पति विज्ञान 5. जन्तु विज्ञान 6. गृहविज्ञान 7. भूगोल

शिक्षा संकाय-

1. बी.एड्. (शिक्षा संकाय) 2. डी.एल.एड्. (बी.टी.सी.)

पाठ्योत्तर कार्यक्रम

स्वतन्त्र चिन्तन, कलात्मक रूचि, लेखन-पठुता, वाक्शक्ति, चारित्रिक दृढ़ता, योग्य नागरिकता एवं कुशल नेतृत्व आदि को विकसित करने के विभिन्न परिषदों का गठन किया गया है, जिसके तत्वाधान में समय-समय पर सांस्कृतिक साहित्यिक एवं सामाजिक समारोह सम्पन्न होते रहते हैं। ये परिषदें प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में संचालित की जाती हैं। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत किया जाता है।

क्रीड़ा विभाग

महाविद्यालय में फुटबाल, बालीवाल, हॉकी, बैडमिण्टन, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, बास्केटबाल आदि खेलों की समुचित व्यवस्था है, महाविद्यालय में जिमनेजियम भी है। जिसके लिए शारीरिक शिक्षा में दस शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है।

छात्र-कल्याण परिषद

छात्रों की समस्याओं एवं कठिनाइयों को दूर करने के निमित छात्र कल्याण परिषद का गठन किया गया है। जिसके अन्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की महाविद्यालय की तरफ से निःशुल्क शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाती है। ऐसे अभ्यर्थियों को सुविधा छात्र कल्याण परिषद की संस्तुति के आधार पर ही दी जाती है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

उत्कृष्ट एवं अत्याधुनिक ढंग से सुसज्जित पुस्तकालय इस महाविद्यालय को अद्‌भुत छवि प्रदान करते हुए कला संकाय, विज्ञान संकाय, शिक्षा संकाय (बी.एड.) एवं डी0एल0एड0 (बी.टी.सी.) की विभिन्न विषयों की उच्च स्तरीय पुस्तकों का संग्रहालय है इसके अतिरिक्त दैनिक समाचार पत्र-पत्रिकायें, साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक पत्र-पत्रिकायें पर्याप्त संविधा उपलब्ध है। छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए दैनिक समाचार-पत्र एवं पत्रिकायें सुलभ करायी जाती हैं एवं विषय से संबन्धित पुस्तकें भी स्वाध्ययन हेतु प्रदान की जाती हैं।

प्रयोगशाला

महाविद्यालय में प्रायोगिक विषय- भूगोल एवं गृहविज्ञान, शिक्षाशास्त्र तथा विज्ञान संकाय, शिक्षा संकाय में आधुनिक उपकरणों से पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। प्रायोगिक विषयों का चयन करने वाले छात्र-छात्राओं द्वारा प्रयोगात्मक कार्य किया जाता है। समग्र उपलब्ध उपकरणों/प्रयोग सामग्रियों की टूट-फूट एवं क्षतिपूर्ति की सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित छात्र-छात्राओं की होगी। ऐसी स्थिति में विभागाध्यक्ष/ महाविद्यालय प्रशासन द्वारा लगाया गया अर्थदण्ड छात्र/छात्राओं द्वारा अनिवार्य रूप से देय होगा।

पर्यटन

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के पाठ्यक्रमानुसार भूगोल विषय बी.ए. तृतीय वर्ष एवं एम.ए. के छात्र/छात्राओं को भौगोलिक पर्यटन एवं बी.एड्. के छात्र/छात्राओं को अनिवार्य रूप से शैक्षणिक पर्यटन में भाग लेना होगा जिसका निर्धारण विभाग से सम्बन्धित विभागाध्यक्ष द्वारा किया जाता है। इस सम्बन्ध में पर्यटन से सम्बन्धित व्यय छात्र/छात्राओं को वहन करना होगा। पर्यटन पर अंक निर्धारित है जो प्रयोगात्मक परीक्षा के साथ मूल्यांकित किये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवायोजना

भारत सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के युवा कार्य विभाग के सौजन्य से महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवायोजना की इकाईयाँ स्थापित हैं जिसका प्रमुख उद्देश्य शिक्षा के साथ राष्ट्र-सेवा है। समय-समय पर राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से शिविर लगाकर वृक्षारोपण, मलिन बस्तियों की सफाई एवं मार्ग निर्माण जैसे सार्वजनिक हित के कार्य किए जाते हैं इस योजना में सहभागिता के इच्छुक छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय में प्रवेश पाने के बाद निर्धारित आवेदन-पत्र भरकर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय में जमा करना होगा। इकाई में प्रतिवर्ष छात्रों का चयन साक्षात्कार के आधार पर एक समिति द्वारा किया जाता है। जिससे केवल स्नातक स्तर छात्रा ही सदस्य (स्वयं सेवक/सेविका) चुने जाते हैं। प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में 120-120 घण्टे सार्वजनिक सेवा कार्य (विशेष शिविर में भाग लेने) वाले छात्र-छात्राओं को अविच्छिन सदस्यता अवधि पूरा करने का प्रमाण पत्र दिए जाते हैं। इस प्रमाण पत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अधिभार (वेटेज) प्राप्त होता है।

रोवर्स एवं रेंजर्स

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के शिक्षणेत्तर क्रिया-कलापों से सम्बद्धनार्थ रोवर्स/रेंजर्स की एक टीम कार्यरत है जिसमें 24-24 छात्र-छात्राओं की प्रतिभागिता निर्धारित है। इसमें प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी महाविद्यालय में प्रवेश पाने के बाद रोवर्स, रेंजर्स लीडर से प्रार्थना पत्र प्राप्त कर प्रवेश ले सकते हैं।

कम्प्यूटर शिक्षण

महाविद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षण की व्यवस्था है जिसमें योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा कम्प्यूटर साइन्स में प्रशिक्षण दिया जाता है। इच्छुक छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर विज्ञान विभाग से सम्पर्क करके प्रवेश प्राप्त करना होगा। महाविद्यालय में इंटरनेट सुविधा भी उपलब्ध है।

अनुशासन परिषद

विद्यार्थियों के अनुशासन एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास करने के लिए अनुशासन परिषद (प्राक्टोरियल बोर्ड) का गठन किया गया है। प्रत्येक विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि अनुशासन की व्यवस्था बनाये रखने में अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग करें तथा ऐसा कोई भी कार्य नहीं करें जिससे महाविद्यालय की गरिमा को क्षति पहुँचे।

छात्र/छात्राओं के लिए आवश्यक निर्देश

1. मुख्य अनुशासनाधिकारी द्वारा समय-समय पर दिये गये लिखित अथवा मौखिक निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।
2. प्रवेश के दौरान प्रवेश रसीद प्रस्तुत कर परिचय-पत्र बनवा लेना आवश्यक है।
3. परिचय-पत्र विद्यार्थियों को सदैव पास रखना होगा। महाविद्यालय के किसी भी अधिकारी या प्राध्यापक द्वारा परिचय-पत्र माँगने पर उसे दिखाना आवश्यक है अन्यथा विद्यार्थी दण्ड के भागी होंगे।
4. परिचय-पत्र खो जाने या नष्ट हो जाने पर विद्यार्थी इसकी लिखित सूचना अनुशासनाधिकारी को देगा तथा निर्धारित शुल्क जमा करके अपना पुनः परिचय-पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करेगा।
5. स्थानान्तरण/चरित्र प्रमाण-पत्र अनुशासनाधिकारी/प्राचार्य द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए 2 दिन पूर्व आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा।
6. किसी भी छात्र/छात्रा को दोबारा चेतावनी के बाद उसके द्वारा किये गये अशोभनीय क्रियाकलापों को चरित्र प्रमाण-पत्र में अंकित कर दिया जाएगा।

प्रवेश नियम

सामान्यतः महाविद्यालय में कक्षाओं में विद्यार्थियों का प्रवेश, समिति की संस्तुति के आधार पर तथा अनुशासनाधिकारी की सहमति और प्राचार्य के अनुमोदन के बाद किया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया

बी.ए./बी.एस-सी./एम.ए./एम.एस-सी भाग एक में प्रवेश लेने हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के साथ हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा का प्रमाण-पत्र एवं अंक तालिका की छायाप्रतियाँ (फोटो स्टेट) संलग्न करना अनिवार्य है तथा इण्टरमीडिएट का चरित्र एवं स्थानान्तरण प्रमाण पत्र (T.C.) मूल प्रति में।

1. उपर्युक्त प्रमाण पत्र के अभाव में आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
2. आरक्षण के दावा करने वाले छात्र/छात्राओं को जाति प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।
3. प्रवेश आवेदन पत्र में निर्धारित स्थान पर अभ्यर्थी का एक पास-पोर्ट साईज का चित्र (फोटो) लगाना अनिवार्य है।
4. स्नातक कक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों का इस महाविद्यालय में पुनः प्रवेश नहीं होगा। ऐसे विद्यार्थियों को भूतपूर्व परीक्षार्थी के रूप में आवेदन करना होगा।
5. यदि छात्र प्रवेश प्राप्त करने के पश्चात् समस्त देय शुल्क निर्धारित तिथि तक महाविद्यालय कार्यालय में जमा नहीं करता है तो विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
6. प्रवेश के समय प्रवेशार्थियों को नियमानुसार अधिभार (वेटेज) अनुमान्य होगा।
7. छात्रों के लिए यूनिफार्म- सफेद पैण्ट, सफेद शर्ट।
8. छात्राओं के लिए यूनिफार्म- सफेद समीज, सफेद सलवार एवं कक्षावार निर्धारित दुपट्टा।

नोट- सभी छात्र/छात्राओं को निर्धारित ड्रेस में आना अनिवार्य है।

संलग्नकों का विवरण

बी.ए./बी.एस-सी. भाग एक-

1. आवेदन पत्र पर फोटो चिपका होने के अलावा दो फोटो नत्थी करें।
2. हाईस्कूल सह अंक-पत्र एवं प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।
3. इण्टरमीडिएट सह अंक-पत्र की छायाप्रति (इण्टरनेट कापी मान्य नहीं है)
4. SC/ST/OBC के अभ्यर्थी के लिए जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।
5. इण्टरमीडिएट का चरित्र एवं स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (T.C.) की मूल प्रति।
6. अन्य प्रान्त से उत्तीर्ण छात्र प्रवजन प्रमाण-पत्र की मूलप्रति।

बी.ए./बी.एस-सी. भाग दो-

1. आवेदन पत्र पर फोटो चिपका होने के अलावा दो फोटो नत्थी करें।
2. हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, बी.ए./बी.एस-सी. भाग प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के अंक-पत्र की छायाप्रति।
3. SC/ST/OBC के छात्र/छात्रा जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।

बी.ए./बी.एस-सी. भाग तीन-

1. आवेदन पत्र पर फोटो चिपका होने के अलावा दो फोटो नत्थी करें।
2. हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, बी.ए./बी.एस-सी. भाग तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर के अंक पत्र की छायाप्रति।
3. SC/ST/OBC के छात्र/छात्रा जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।

एम.ए./एम.एस-सी. भाग एक-

1. आवेदन पत्र पर फोटो चिपका होने के अलावा दो फोटो नत्थी करें।
2. हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, बी.ए./बी.एस-सी. भाग I, II & III तथा एम.ए. भाग एक के अंक पत्र की छायाप्रति।
3. SC/ST/OBC के छात्र/छात्रा जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।
4. चरित्र एवं स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र की मूल प्रति।
5. अन्य विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण छात्र प्रवजन प्रमाण-पत्र की मूल प्रति।

नोट :- प्रवेशित विषय स्नातक कक्षा के अध्ययनरत होना चाहिए।

एम.ए./एम.एस-सी. भाग दो-

1. आवेदन पत्र पर फोटो चिपका होने के अलावा दो फोटो नत्थी करें।
2. हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, बी.ए./बी.एस-सी. भाग I, II & III तथा एम.ए. भाग प्रथम व द्वितीय के अंक पत्र की छायाप्रति।
3. SC/ST/OBC के छात्र/छात्रा जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।

बी.एड./डी.एल.एड.(बी.टी.सी.)-

1. आवेदन पत्र पर फोटो चिपका होने के अलावा दो फोटो नत्थी करें।
2. हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, बी.ए. I, II & III तथा एम.ए. भाग तथा भाग दो अंक-पत्र की छायाप्रति।
3. SC/ST/OBC के छात्र/छात्रा जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।
4. चरित्र एवं स्थानान्तरण तथा प्रवजन प्रमाण-पत्र की मूल प्रति।
5. स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (C.M.O/C.M.S.) द्वारा निर्गत) की मूल प्रति।
6. निवास प्रमाण-पत्र की छायाप्रति (फोटोयुक्त)।
7. भारांक का लाभ लेने वाले अभ्यर्थी, भारांक प्रमाण-पत्र की छायाप्रति (राजपत्रित अधिकारी से प्रमाणित होना चाहिए।
8. काउन्सलिंग लेटर (आवंटन पत्र) की मूल प्रति।

नोट-

(1) प्राचार्य/प्रवेश समिति द्वारा किसी भी समय अभ्यर्थी का प्रवेश निरस्त किया जा सकता है यदि यह ज्ञात होता है कि-
   (क) न्यूनतम अर्हता पूरी नहीं करता है।
   (ख) अभ्यर्थी द्वारा जाली/फर्जी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तथा छिपाया गया है।

(2) महाविद्यालय से प्राप्त प्रवेश आदेवन पत्र पूर्णरूपेण पूरित व उपर्युक्त वर्णित एवं पूर्ण संलग्नक के साथ प्रवेश की अंकित तिथि तक निर्धारित शुल्क जमा करने पर ही प्रवेश आरक्षित/सुनिश्चित माना जायेगा या हो पायेगा।